म.प्र.प्लास्टिक उद्योग संघ

अध्यक्ष: प्रवीण पाटनी
मो.94250-59646
शुभम् प्लास्टिक,देवास

MPPUS

सचिव: सुनील रतरा
मो.98260-81091
आकाश इण्डस्टीज,गुना

संचालक सदस्य :
जितेन्द्र खुराना
के.के. पोलिमर्स
94251-31181

सचिव:
पुरुषोत्तम अग्रवाल
श्याम पोलिमर्स,गुना
मो.94251-31181

शान्तिलाल निमजे
राहुल पैकेजिंग,इन्दौर
98261-46083

नारायण आहुजा
नारायण प्लास्टिक,इन्दौर
98933-51914

भुवनेश काबरा
राधा मोहन इंडस्ट्रीज,भोपाल
98270-47425

पंकज जैन
पंकज पोलिमर्स,मंडीदीप
98270-85522

क्रमांक

दिनांक 23-7-2018

-- 2 --

प्लास्टिक के बारे में पिछली अवधि से कुछ विपरीत धारणायें प्रचारित हो गई है। प्लास्टिक के उचित प्रबंधन व लाभ के सम्बंध में हमारे कुछ तथ्य इस प्रकार से है–

1) उचित वेस्ट प्रबंधन से प्लास्टिक से होने वाली कुछ विपरीत असुविधाओं को रोका जा सकता है विश्व में प्लास्टिक की प्रति व्यक्ति औसत खपत 18 कि॰ग्रा॰ है जबकि भारत में यह 2.4 कि॰ग्रा॰ प्रति व्यक्ति। इसकी वेस्ट को प्रतिबंध करना संभव है।

2) वनस्पति जीवन की प्लास्टिक अनेक तरह से रक्षण करता है लकड़ी के एवज में फर्नीचर भवन निर्माण वन कटाई, को इत्यादि प्लास्टिक में बनने से भीषण वन कटाई रोकी जाती है सिंचाई और जल व्यवस्था बाढ़, सिंचाई छितराव सिंचाई सूक्ष्य सिंचाई के कार्य में प्लास्टिक अतुलनीय है।

3) अन्य कई देशों में आज भी कैरी बैग प्रतिबंधित नहीं है बल्कि वहां पर उसके निष्पादन के ठोस उपाय किये गये है और दुरूपयोग रोकने के लिये हर जगह अलग–अलग कलर के डस्टबिन लगाये गये है। हमारी मूल समस्या कचरे के प्रबंधन की है न कि प्लास्टिक कैरी बैग की इसके कचरे से रोड़ खिलौना, फैक्ट्री, आदि उद्योगों को प्रोत्साहन मिला है वस्तुओं की लागत कर कम बैठती है।

4) निष्पादन की समस्या के ठोस और उचित कदम उठाने चाहिये और विदेश की भांति सम्पूर्ण भारत में एक प्रणाली लागू की जाये जिससे सरकार और व्यापारी कानूनी जटिलताओं में न उलझे और पर्यावरण की रक्षा मिलजुल कर की जा सके।

5) बायोड़िग्रेडिबल पॉलीथीन का विकल्प आने के बाद (स्वयं नष्ट हो जाने वाली) नियमों में संशोधन करना अनिवार्य है। क्योंकि स्वयं नष्ट होने के बाद पर्यावरण कोई प्रभाव नहीं हो रहा है इस ओर सरकार का ध्यान नष्ट विकल्प नई तकनीक में जाना बेहतर है।

क्रमशः....3 पर

म.प्र.प्लास्टिक उद्योग संघ

अध्यक्ष: प्रवीण पाटनी
मो.94250-59646
शुभम् प्लास्टिक, देवास

MPPUS

सचिव: सुनील रतरा
मो.98260-81091
आकाश इण्डस्टीज, गुना

संचालक सदस्य :

जितेन्द्र खुराना
के.के. पोलिमर्स
94251-31181

सचिव:
पुरुषोत्तम अग्रवाल
श्याम पोलिमर्स, गुना
मो.94251-31181

शान्तिलाल निमजे
राहुल पैकेजिंग, इन्दौर
98261-46083

नारायण आहूजा
नारायण प्लास्टिक, इन्दौर
98933-51914

भुवनेश काबरा
राधा मोहन इंडस्ट्रीज, भोपाल
98270-47425

पंकज जैन
पंकज पोलिमर्स, मंडीदीप
98270-85522

क्रमांक

दिनांक 23-7-2018

-- 3 --

6) चीन देश में दस लाख टन पॉलीथीन का उपयोग प्रति वर्ष केवल कृषीय प्रयोग में करता है।

7) प्लास्टिक का विकल्प कागज, जूट, कपड़ा, नहीं हो सकता है क्योंकि कागज वातावरण के अनुकूल नहीं है। कागज जूट, कपड़ा केमिकल युक्त रहता है। अतः यह खाद्य पदार्थ धारण के लिये उपयुक्त नहीं है। प्लास्टिक के बदले इनके इस्तेमाल से अर्थ व्यवस्था पर 210 प्रतिशत दण्ड लगेगा व मंहगाई बढ़ेगी।

8) खाद्य पदार्थों के सम्पर्क में आने वाला प्लास्टिक वर्जिन अंरगद्रव्यति स्वास्थ्य के लिये हानिकारक नहीं है अन्य प्रयोग किया जा सकता है। पी.ई.पी.पी. इत्यादि में प्लास्टिसाइजर का उपयोग केवल पी.वी.सी. उत्पादनों में किया जाता है।

9) अनेक मार्गों द्वारा प्लास्टिक का 100 प्रतिशत पुनः चक्रण होता है इसके अतिरिक्त वेस्ट प्लास्टिक का पुनः उपयोग सड़क बनाने, ऊर्जा, फ्यूल बनाने इत्यादि में बहुतायत में हो रहा है।

आप महानुभाव से नम्र आग्रह है कि केन्द्र शासन पूरे देश में प्लास्टिक के एक समान लागू करने की दिशा में पहल करे।

आभार के साथ..

भवदीय
प्रवीण पाटनी
(अध्यक्ष)